Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

(Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

(Name) ______________________

Answer Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

J—9107

PAPER—II

PRAKRIT

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Serial No. of the booklet should be entered in the Answer-sheets and the Serial No. of Answer Sheet should be entered on this Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ● (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या उत्तर-पत्रक पर अंकित करें और उत्तर-पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ● (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT
प्राकृत
प्राइय
PAPER – II
प्रश्नपत्र – II
पण्हपत्तं – II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

टिप्पणी : इमम्मि पण्हपत्ते पन्नासा (50) बहु-विकप्पियाणि पण्हाणि संति। पत्तेगं पण्हं दुवे (2) अंकस्स अत्थि। सब्बाणि पण्हाणि कारियाणित्ति।

1. Main source of the modern North Indian languages is :

आधुनिक उत्तरभारतीय भाषाओं का मुख्य स्त्रोत है :

आहुणिक-उत्तर भारतीय भासाणं मुक्खं सोतं अत्थि :

(A) वैदिक-भाषा

(B) पालि

(C) अपभ्रंश

(D) तमिल

2. 'प्रकृतिः संस्कृतम्। तत्र भवं तत् आगतं वा प्राकृतम्'

Above quotation is said by :

उपर्युक्त कथन इस आचार्य द्वारा कहा गया है :

उवरि उत्तं कहणं अणेण आचरियेण कहिदं :

(A) लक्ष्मीधर

(B) मार्कण्डेय

(C) हेमचन्द्र

(D) धनिक

3. This statement is correct :
यह कथन सत्य है :
इमं कहणं सच्चमत्थि :
(A) प्राकृत और संस्कृत में कोई भिन्नता नहीं है।
(B) प्राकृत में ऋ ॠ ऌ ॡ नहीं होता है।
(C) प्राकृत की उत्पत्ति शिवजी ने की।
(D) प्राकृत में ध्वनि-परिवर्तन नहीं होता।

4. The family relation of Prakrit language is :
प्राकृत भाषा का इस भाषा परिवार से सम्बन्ध है :
पागदभासाअ अणेण भासापरिवारेण सह सम्बन्धो अत्थि :
(A) भारतीय भाषा परिवार से
(B) ईरानी-भाषा परिवार से
(C) द्रविड-भाषा परिवार से
(D) मुण्डा-भाषा परिवार से

5. Ukāra is excessively used in this language :
उकार-बहुला भाषा का नाम यह है :
उकारबहुला भाषाअ नाम इदमत्थि :
(A) मागधी
(B) अपभ्रंश
(C) महाराष्ट्री
(D) पैशाची

6. The salient features of Prakrit language are :
प्राकृतभाषा की प्रमुख विशेषताएँ हैं :
पाइअभासाए पमुह विसेसदाओ होन्ति :
(अ) शब्द के अन्तिम म् का अनुस्वार होना
(ब) विसर्ग का अभाव होना
(स) ऐ एवं औ स्वरों का प्रयोग न होना
(द) द्विवचन का प्रयोग होना
(A) (अ) एवं (ब)
(B) (अ), (ब) एवं (स)
(C) (अ), (ब) एवं (द)
(D) उपर्युक्त सभी

7. This statement is not correct :

यह कथन असत्य है :

इदं कहणं असच्चमत्थि :

(A) प्राकृत में सदैव वर्गीय पंचम नासिक्य-वर्ण का प्रयोग करना-चाहिए।

(B) प्राकृत भाषा के भेदों में पैशाची परिगणित है।

(C) प्राकृत में दो भिन्न स्वरों की सन्धि नहीं होती।

(D) प्राकृत में विसर्ग का प्रयोग नहीं होता।

8. This work represents Paisāci Prakrit :

यह पैशाची प्राकृत का प्रतिनिधि ग्रन्थ है :

अयं पेसाचीपाइयस्स पइणिहि गंधो त्ति :

(A) जयधवला

(B) जीवाभिगमसूत्र

(C) गाहासत्तसई

(D) बृहत्कथा

9. The First Carita Mahākāvya of Prakrit language is :

प्राकृत भाषा का प्रथम चरित महाकाव्य यह है :

पाइयभासाइ पढमचरिअमहाकण्वं इदमत्थि :

(A) सिरिपासणाहचरियं

(B) पउमचरियं

(C) महावीरचरियं

(D) सुदंसणाचरियं

10. The original language of the teachings of Mahaveera Swāmi is :

महावीर स्वामी के उपदेशों की मूलभाषा है :

महावीर सामिस्स उवदेसाणं मूलभासा अत्थि :

(A) महाराष्ट्री

(B) पैशाची

(C) मागधी

(D) अर्धमागधी

11. Life description of Ten Śrāvakas is found in this Āgama :

दश श्रावकों का जीवन-वर्णन इस आगम में उपलब्ध है :

दस-सावगाण जीवणवण्णणं अम्हि आगमे अत्थि :

(A) रायपसेनीयसुत्तं

(B) अन्तगडदसाओ

(C) पण्हवियाकरणसुत्तं

(D) उवासगदसांगसुत्तं

12. The chapter Uvahaṇa is a part of this Āgama :

'उवहाण' अध्ययन इस आगम का भाग है :

उवहाणज्झयणं अस्सागमस्स विभागो अत्थि :

(A) सूत्रकृतांग

(B) आचारांग

(C) स्थानांग

(D) समवायांग

13. Second name of Vyākhyāprajñapti Āgama is :

व्याख्याप्रज्ञप्ति-आगम का दूसरा नाम है :

वियाहपण्णत्ति-आगमस्स वियो नाम अत्थि :

(A) ज्ञाताधर्मकथा

(B) उत्तराध्ययन-सूत्र

(C) अनुयोगद्वार-सूत्र

(D) भगवती-सूत्र

14. The Seventh Āgama's name is :

सातवें आगम का नाम है :

सत्तमागमस्स नाम अत्थि :

(A) नन्दीसूत्र

(B) व्याख्याप्रज्ञप्ति

(C) उपासकदशांग

(D) ज्ञाताधर्मकथा

15. The birthday of Mahaveer Swamī is celebrated on :
महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक मनाया जाता है :
महावीरसामिजम्म कल्याणगमहोच्छवो अम्हि मासे होदि :
(A) फाल्गुनशुक्ल त्रयोदशी को
(B) चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को
(C) वैशाख शुक्ल त्रयोदशी को
(D) ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी को

16. Shivasharma, Siddhasen and Mailladhawal's works order is this :
शिवशर्म, सिद्धसेन तथा माइल्लधवल की रचनाओं का सही क्रम यह है :
शिवशर्म-सिद्धसेन-माइल्लधवलाणं य रयणाकमं इदं :
(A) कम्मपयडि, सन्मतितर्क, बृहन्नयचक्र
(B) सन्मतितर्क, बृहन्नयचक्र, कम्मपयडि
(C) बृहन्नयचक्र, कम्मपयडि, सन्मतितर्क
(D) कम्मपयडि, बृहन्नयचक्र, सन्मतितर्क

17. The language of Setubandha is :
सेतुबन्ध की भाषा है :
सेउबन्धस्स भासा अत्थि :
(A) अर्धमागधी प्राकृत
(B) महाराष्ट्री प्राकृत
(C) पैशाची प्राकृत
(D) निया प्राकृत

18. The type of Gāhāsattasaī is this :
गाहासत्तसई की विधा यह है :
गाहासत्तसइस्स विहा इमा अत्थि :
(A) महाकाव्य
(B) मुक्तककाव्य
(C) नाटक
(D) शास्त्रीय ग्रंथ

19. The time of author Devendrasūri of Karmavipāka is :
कर्मविपाक के लेखक देवेन्द्रसूरि का समय है :
कम्मविवागस्स लेहगदेवेन्दसूरिणो समयो अत्थि :
(A) नवमीं शताब्दी
(B) दसवीं शताब्दी
(C) ग्यारहवीं शताब्दी
(D) तेरहवीं शताब्दी

20. The subject matter of Samarāiccakahā is :
समराइच्चकहा की विषय-वस्तु यह है :
समराइच्चकहाअ विसयवत्थु इदमत्थि :
(A) इतिहास
(B) आचार
(C) नीति
(D) भववृत्तांत

21. The Hero of Karpooramañjari drama is :
कर्पूरमंजरीनाटक का यह नायक है :
कर्पूरमंजरीनाडगस्स अयं नायको अत्थि :
(A) चैत्रचन्द्र
(B) मानदेव
(C) चन्द्रपाल
(D) शिखण्डचन्द्र

22. चेटी - अम्हाणं एसो पभादो, अज्जआए उण रत्ति ज्जेव्व।
वसन्तसेना - हंजे। कहिं उण तुम्हाणं जूदिअरो।
Which word represents for Juari (जुआरी) in above mentioned quotation ?
उपर्युक्त गद्यांश में जुआरी के लिए इस शब्द का प्रयोग हुआ है :
उवरि-गज्जंसे 'जुआरी' इच्चस्स पदस्स अयं सद्दो पओगो जाओ :
(A) अम्हाणं
(B) तुम्हाणं
(C) अज्जआए
(D) जूदिअरो

23. This type of Prakrit has been used mainly in the drama of Rajshekhara.
राजशेखर के नाटक में मुख्यत: इस प्राकृत का प्रयोग हुआ है?
रायसेहरस्स णाडगे मुक्खओ इदं पाश्यं पजुत्तं :

(A) पैशाची

(B) शौरसेनी

(C) मागधी

(D) महाराष्ट्री

24. The number of Aṅkas in the Mricchakaṭika are :
मृच्छकटिक में कितने अङ्क हैं :
मृच्छकटिकणाडके कइओ अंगा संति :

(A) चार

(B) छह

(C) दस

(D) आठ

25. This group has all Saṭṭakas :
इस वर्ग में सभी सट्टक हैं :
अम्हि वग्गम्हि सब्बाणि सट्टगाणि संति :

(A) वज्जालग्गं चंदलेहा

(B) वज्जालग्गं आनन्दसुंदरी

(C) कर्पूरमंजरी चंदलेहा, आनंदसुंदरी

(D) वज्जालग्गं चंदलेहा आनंदसुंदरी

26. Khandagiri, Udayagiri caves are best known for :
खण्डगिरि, उदयगिरि की गुफायें इसके लिए प्रसिद्ध हैं :
खण्डगिरि-उदयगिरि गुहा एदस्स अत्थं पसिद्धा :

(A) शिल्प कला

(B) स्तम्भकला

(C) चित्रकला

(D) अभिलेख

27. Second name of Hāthigumphā inscription is :

हाथीगुंफा शिलालेख का दूसरा नाम है :

हाथीगुंफासिलालेहस्स वीयो नाम अत्थि :

(A) अजन्ता

(B) एलोरा

(C) सांची

(D) खण्डगिरि-उदयगिरि-शिलालेख

28. Match each author from Part I and his work from part II and choose correct answer :

प्रथम भाग से प्रत्येक लेखक और द्वितीय भाग से उनके कार्यों का मिलान कीजिए तथा सही उत्तर का चुनाव कीजिए।

पढम-खण्डत्तो पच्चेग-लेहगस्स वीयो-खण्डत्तो तेसं कज्जाणं मेलणं कुरु तह य सुट्ठु उत्तरं दिह :

(a)	कुन्दकुन्द	(i)	कुमारपालचरियं
(b)	यतिवृषभ	(ii)	णायकुमारचरियं
(c)	पुष्पदन्त	(iii)	समयसारो
(d)	हेमचन्द्र	(iv)	तिलोयपण्णत्ति

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

29. The script of Kharavela-Edict is :

खारवेल-शिलालेख की लिपि है :

खारवेलसिलालेहस्स लिवि अत्थि :

(A) शारदा

(B) ब्राह्मी

(C) तेलगू

(D) खरोष्ठी

30. The numbers of Ashokan Rock-edicts Girnar version are :

अशोक के गिरनार प्रस्तर शिलालेखों की संख्या है :

असोगस्स गिरनारपत्थरसिलालेहाणं संखा अत्थि :

(A) 17

(B) 19

(C) 14

(D) 21

31. In which language अलङ्कारदप्पण is written :

अलङ्कारदप्पण किस भाषा में लिखा गया है :

अलंकारदप्पणं कम्हि भासम्हि लेहिदं :

(A) संस्कृत

(B) पालि

(C) प्राकृत

(D) मुण्डा

32. The main subject matter of Prakrita-Paingalaṁ is :

प्राकृतपैंगलं का मुख्य विषय है :

'पाउडपेंगलं' इच्चस्स मुक्खविसयं अत्थि :

(A) अलंकार

(B) छन्द

(C) व्याकरण

(D) रस

33. The author of Kavidarpaṇa is :

कविदर्पण के रचयिता है :

कइदप्पणस्स रयइआ अत्थि :

(A) विरहांक

(B) नन्दिताढ्य

(C) सिंहराज

(D) कोई नहीं (अज्ञात)

34. वृत्तजातिसमुच्चय is related to :

वृत्तजातिसमुच्चय सम्बद्ध है :

वित्तजाइसमुच्चयं सम्बद्धमत्थि :

(A) कोश

(B) अलंकार

(C) रस

(D) छन्द

35. The subject matter of Rayaṇāvalī is :

रयणावली का मुख्य विषय है :

रयणावलीअ मुक्खविसयमत्थि :

(A) कोश

(B) छन्द

(C) अलंकार

(D) रस

36. Example of elision of last vowel in Prakrit is this :

अन्त्य व्यञ्जनलोप का उदाहरण यह है :

पाइयभासायां अन्तिमवंजणलोवस्स उदाहरणमिदमत्थि :

(A) दिणेसो

(B) रायवच्च

(C) जाव

(D) मणंसिला

37. The ablative form of the word कइ (कवि) is this :

कइ (कवि) शब्द का पंचमी विभक्ति रूप यह है :

कइ (कवि) सद्दस्स पंचमीरूवं इदं अत्थि :

(A) कइस्स

(B) कइत्तो

(C) कइम्हि

(D) कईणं

38. This is an example of anaptyx :

यह स्वरभक्ति का उदाहरण है :

इदं सरभत्तिए उदाहरणं अत्थि :

(A) अरियो

(B) पुब्बे

(C) देवो

(D) सब्बाणि

39. The locative plural form of the word Jaṇaṇī (जणणी) is :

जणणी शब्द के सप्तमी बहुवचन का रूप यह है :

जणणीसद्दस्स सत्तमी बहुवयणस्स रूवं इदं अत्थि :

(A) जणणीउ

(B) जणणिं

(C) जणणीओ

(D) जणणीसुं

40. The compound of the word Jidindiyo (जिदिन्दियो) is :

जिदिन्दियो में समास है :

जिदिन्दियो पदे समासो अत्थि :

(A) तत्पुरुष

(B) द्वन्द्व

(C) बहुब्रीहि

(D) द्विगु

41. The book of Rajsekhara is this :

राजशेखर की रचना यह है :

रायसेहरस्स रयणा इमा अत्थि :

(A) मृच्छकटिक

(B) कर्पूरमंजरी

(C) स्वप्नवासवदत्त

(D) मुद्राराक्षस

42. The Prakrit language as used by Vidushaka in Karpūramañjari is :

कर्पूरमञ्जरी का पात्र विदूषक यह प्राकृत बोलता है :

कर्पूरमंजरीए पत्तविडसगो इदं पाइयं भासइ :

(A) शौरसेनी प्राकृत

(B) अर्द्धमागधी प्राकृत

(C) महाराष्ट्री प्राकृत

(D) पैशाची प्राकृत

43. The Title of twenty third chapter of Uttarādhayayana Sūtra is :

उत्तराध्ययनसूत्र के तेवीसवें अध्ययन का नाम है :

उत्तरज्झयणसुत्तस्स तेवीसा अज्झयणस्स णाम अत्थि :

(A) नमिपव्वज्जा

(B) केशि-गौतमीय

(C) चित्तसंभूतीय

(D) राघवपाण्डवीय

44. 'एगकज्जपबन्नाणं विसेसे कि नु कारणं लिंगे दुविहे मेहावि! न ते।

In above verse मेधावि word is used for whom ?

उपर्युक्त गाथा में मेधावि शब्द किसको आया है?

उवरिं गाहाए मेधावि ति सद्दो कस्सागओ?

(A) गौतमगणधर

(B) केशीकुमार

(C) महावीर स्वामी

(D) भद्रबाहु

45. The type of Karpūramañjari in the Prakrit literature is this :

प्राकृतसाहित्य में कर्पूरमंजरी की यह विधा है :

पाइयसाहिच्चे कप्पूरमंजरीअ इमा विहा अत्थि :

(A) महाकाव्य

(B) नाटक

(C) सट्टक

(D) चरित

46. Read the Units I and II for correct match :

प्रथम और द्वितीय इकाइओं को सही मिलान के लिए पढ़िये :

पढमो-वीयो य खंडाणं णिद्देस-सम्मेलणत्थं जदं पटिदव्वं :

	I		II
(a)	उद्योतनसूरि	(i)	सिरिपासनाहचरियं
(b)	हाल	(ii)	कुवलयमाला
(c)	रामपाणिवाद	(iii)	गाहासत्तसई
(d)	गुणचन्द्रगणि	(iv)	कंसवहो

Identify the correct match from the following :

निम्नलिखित में से सही मिलान पहिचान कीजिए :

अहोलिहिदेसु समुचिद-मेलनं पगासय :

	(a)	*(b)*	*(c)*	*(d)*
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

47. Gommaṭṭasar Karmakand deals with :

'गोम्मट्टसार कर्मकांड' इस विषय का वर्णन करता है :

'गोम्मट्टसार कर्मकाण्ड' त्ति इदं विसयं वण्णइ :

(A) ज्ञान

(B) दर्शन

(C) कर्म

(D) लोक

48. Dravyasaṅgrah is composed in this Prakrit :

द्रव्यसंग्रह इस प्राकृत में संकलित किया गया है :

दव्वसंगहो अम्हि पाइयभासम्हि संगहियं :

(A) महाराष्ट्री

(B) शौरसेनी

(C) अर्धमागधी

(D) मागधी

49. The author of Kuvalayamālā is :

कुवलयमाला के रचयिता है :

कुवलयमालाअ कत्ता अत्थि :

(A) शिवार्य

(B) सिद्धसेनदिवाकर

(C) उद्योतनसूरि

(D) हरिभद्रसूरि

50. The author of Sanmatitarka Prakaraṇa is :

सन्मतितर्कप्रकरण के लेखक है :

सम्मतितक्कप्पकरणस्स रचयिता अत्थि :

(A) मल्लिषेणसूरि

(B) हरिभद्रसूरि

(C) सिद्धसेन

(D) देवनन्दि

- o O o -

Space For Rough Work